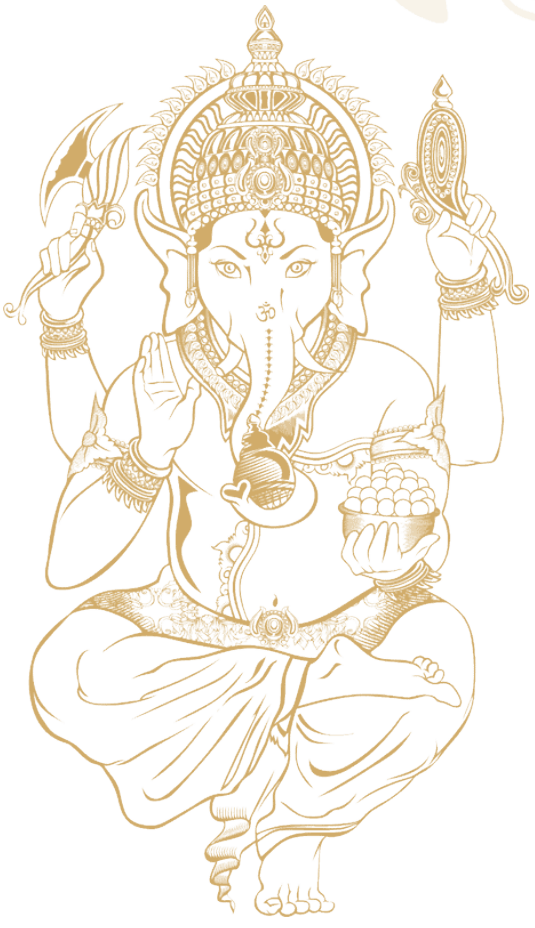

Mr.yash Gupta

Vaishali

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119880404

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
07/07/1998 :	जन्म तिथि	: 25/10/2025
मंगलवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 15:29:47 :	जन्म समय	: 14:30:47 घंटे
घटी 24:48:51 :	जन्म समय(घटी)	: 20:02:14 घटी
India :	देश	: India
Alwar :	स्थान	: Alwar
27:32:00 उत्तर :	अक्षांश	: 27:32:00 उत्तर
76:35:00 पूर्व :	रेखांश	: 76:35:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:40 :	स्थानिक संस्कार	: -00:23:40 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:34:14 :	सूर्योदय	: 06:29:53
19:22:33 :	सूर्यास्त	: 17:45:24
23:50:03 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 24:13:06

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 7वर्ष 5मा 2दि		00:03:14	वृश्चि	लग्न	कुंभ	02:41:35	बुध 12वर्ष 9मा 20दि	
शुक्र		21:15:53	मिथु	सूर्य	तुला	07:59:20	बुध	
08/12/2012		24:10:42	वृश्चि	चंद्र	वृश्चि	19:57:22	25/10/2025	
08/12/2032		06:52:12	मिथु	मंगल	तुला	28:33:01	16/08/2038	
शुक्र	09/04/2016	15:48:32	कर्क	बुध	वृश्चि	01:17:11		00/00/0000
सूर्य	09/04/2017	04:02:28	मीन	गुरु	कर्क	00:26:46		25/10/2025
चन्द्र	09/12/2018	21:30:48	वृष	शुक्र	कन्या	20:04:29	शुक्र	09/11/2027
मंगल	08/02/2020	08:29:07	मेष	शनि व	मीन	01:54:34	सूर्य	14/09/2028
राहु	07/02/2023	08:39:07	सिंह व	राहु व	कुंभ	23:04:36	चन्द्र	14/02/2030
गुरु	08/10/2025	08:39:07	कुंभ व	केतु व	सिंह	23:04:36	मंगल	11/02/2031
शनि	08/12/2028	17:57:11	मक व	हर्ष व	वृष	06:18:09	राहु	30/08/2033
बुध	09/10/2031	07:22:31	मक व	नेप व	मीन	05:42:50	गुरु	06/12/2035
केतु	08/12/2032	11:52:14	वृश्चि व	प्लूटो	मक	07:10:43	शनि	16/08/2038

लग्न-चलित

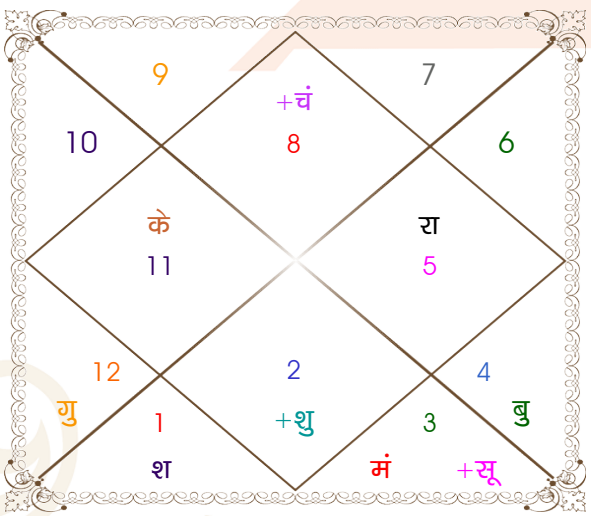

लग्न-चलित

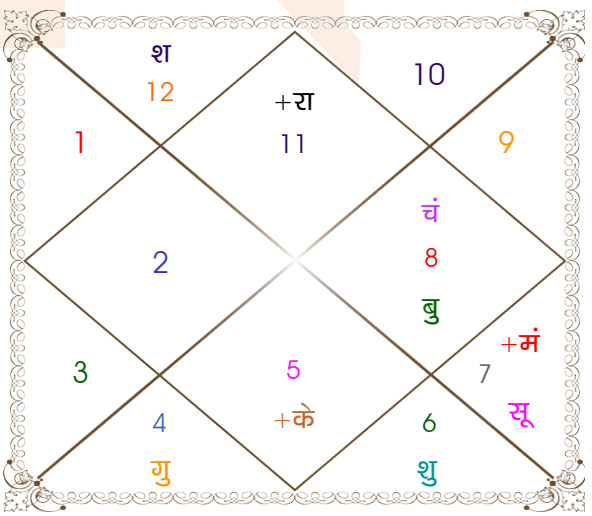

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	कीटक	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मृग	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	मंगल	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृश्चिक	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

डतण्लेी ळनचजं का वर्ग मृग है तथा टंर्पीसप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्लेी ळनचजं और टंर्पीसप का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्लेी ळनचजं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

टंर्पीसप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्लेी ळनचजं तथा टंर्पीसप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।